सीबीएसई कक्षा - 12 हिन्दी 2014 (केन्द्रिक) सेट-1
(foreign)

निर्देश:

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 8 हैं।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड-'क'

1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

विषमता शोषण की जननी है। समाज में जितनी विषमता होगी, सामान्यतया शोषण उतना ही अधिक होगा। चूँकि हमारे देश में सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक व सांस्कृतिक असमानताएँ अधिक हैं जिसकी वज़ह से एक व्यक्ति एक स्थान पर शोषक तथा वही दूसरे स्थान पर शोषित होता है। चूँकि जब बात उपभोक्ता संरक्षण की हो तब पहला प्रश्न यह उठता है कि उपभोक्ता किसे कहते हैं? या उपभोक्ता की परिभाषा क्या है? सामान्यत: उस व्यक्ति या व्यक्ति समूह को उपभोक्ता कहा जाता है जो सीधे तौर पर किन्हीं भी वस्तुओं अथवा सेवाओं का उपयोग करते हैं। इस प्रकार सभी व्यक्ति किसी-न-किसी रूप में शोषण का शिकार अवश्य होते हैं।

हमारे देश में ऐसे अशिक्षित, सामाजिक एवं आर्थिक रूप से दुर्बल अशत लोगों की भीड़ है जो शहर की मलिन बस्तियों में, फुटपाथ पर, सड़क तथा रेलवे लाइन के किनारे, गंदे नालों के किनारे झोपड़ी डालकर अथवा किसी भी अन्य तरह से अपना जीवन-यापन कर रहे हैं। वे दुनिया के सबसे बड़े प्रजातांत्रिक देश की समाजोपयोगी ऊर्ध्वमुखी योजनाओं से वंचित हैं, जिन्हें आधुनिक सफ़ेदपोशों, व्यापारियों, नौकरशाहों एवं तथाकथित बुद्धिजीवी वर्ग ने मिलकर बाँट लिया है। सही मायने में शोषण इन्हीं की देन है।

उपभोक्ता शोषण का तात्पर्य केवल उत्पादकता व व्यापारियों द्वारा किए गए शोषण से ही लिया जाता है जबकि इसके क्षेत्र में वस्तुएँ एवं सेवाएँ दोनों ही सम्मिलित हैं, जिनके अन्तर्गत डॉक्टर, शिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी, वकील सभी आते हैं। इन सबने शोषण के क्षेत्र में जो कीर्तिमान बनाए हैं वे वास्तव में गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज कराने लायक हैं।

(क) गद्यांश का समुचित शीर्षक लिखिए। (1)

(ख) 'विषमता' शब्द से मूल शब्द तथा प्रत्यय छाँटकर लिखिए। (1)

(ग) 'ऊर्ध्वमुखी योजनाओं से वंचित है' - वाक्य का आशय समझाइए। (2)

(घ) 'विषमता शोषण की जननी है' - कैसे? स्पष्ट कीजिए। (2)

(ङ) समाज में जितनी विषमता होगी, सामान्यतः शोषण उतना ही अधिक होगा। वाक्य-भेद लिखिए। (1)

(च) उपभोक्ता शोषण से क्या आशय है? इसकी सीमाएँ कहाँ तक हैं? (2)

(छ) देश की समाजोपयोगी योजनाओं से कौन-सा वर्ग वंचित रह जाता है और क्यों? (2)

(ज) उपभोक्ता किसे कहते हैं? उपभोक्ता शोषण का मुख्य कारण क्या है? (2)

(झ) सामान्यतः शोषण का दोषी किसे कहा जाता है और क्यों? (2)

उत्तर- (क) शोषण, शोषण की जननी-विषमता, सामाजिक असमानताएँ इत्यादि। (कोई अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकारें।)

(ख) विषम – मूलशब्द ता – प्रत्यय

(ग) जन कल्याणकारी, प्रगतिशील विकास योजनाएँ जिनके द्वारा जन सामान्य का जीवन स्तर सुखी एवं समृद्धशाली बन सकता है, उन तक नहीं पहुँचकर समृद्धशाली लोगों की ओर चली जाती है। उन्हें लाभ मिलता है।

(घ) सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक स्तर पर समाज में विषमता, सशक्त एवं समर्थ व्यक्तियों द्वारा जरूरतमंदों तथा जन सामान्य का शोषण।

(ङ) मिश्र वाक्य।

(च)

- वस्तुओं का उपभोग तथा सेवा प्राप्त करने वाले व्यक्ति का शोषण।
- उपभोक्ता शोषण के अन्तर्गत व्यापारी, उत्पादक, डॉक्टर, शिक्षक, नौकरशाह, बुद्धिजीवी वर्ग एवं वकील इत्यादि।

(छ)

- अशिक्षित, दुर्बल, कमजोर आय वर्ग एवं उपेक्षित-शोषित जनसमुदाय। उच्च वर्ग द्वारा उन्हें जन कल्याणकारी योजनाओं को अपने हित में लागू करना।
- अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का नहीं पहुँचना।

(ज)

- सीधे तौर पर सेवाओं, वस्तुओं का उपभोग करने वाला व्यक्ति
- सामाजिक, आर्थिक व शैक्षिक विषमता।

(झ)

- शोषण का दोषी - शासक वर्ग योजनाओं का लाभ केवल सफेदपोश व्यापारी, नौकरशाह एवं शासक वर्ग लेते हैं।

2. नीचे लिखे अपठित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए हैं: (1×5=5)

आँसू से भाग्य पसीजा है, हे मित्र, कहाँ इस जग में?

नित यहाँ शक्ति के आगे, दीपक जलते मग-मग में।

कुछ तनिक ध्यान से सोची, धरती किसकी हो पाई?

बोलो युग-युग तक किसने, किसकी विरुदावलि गाई?

मधुमास मधुर रुचिकर है, पर पतझर भी आता है।

जग रंगमंच का अभिनय, जो आता सो जाता है।

सचमुच वह ही जीवित है, जिसमें कुछ बल-विक्रम है।

पल-पल घुड़दौड़ यहाँ है, बल-पौरुष का संगम है

दुर्बल को सहज मिटाकर, चुपचाप समय खा जाता,

वीरों के ही गीतों को, इतिहास सदा दोहराता।

फिर क्या विषाद, भय चिंता जो होगा सब सह लेंगे,

परिवर्तन की लहरों में जैसे होगा बह लेंगे।

(क) कविता का मूल सन्देश क्या है?

(ख) 'रोने से दुर्भाग्य सौभाग्य में नहीं बदल जाता' के भाव की पंक्तियाँ छाँटकर लिखिए।

(ग) समय किसे नष्ट कर देता है और कैसे?

(घ) इतिहास किसे याद रखता है और क्यों?

(ङ) 'मधुमास मधुर रुचिकर है, पर पतझर भी आता है' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- (क) दुर्बलताओं को त्याग कर वीरों की भाँति बल-पौरुष के आधार पर विषाद का निराकरण कर लक्ष्य की प्राप्ति।

(ख) आँसू से भाग्य पसीजा है। हे मित्र, कहाँ इस जग में?

(ग)

- दुर्बल को उसका

- अस्तित्व मिटा कर।

(घ) वीरों को, क्योंकि वीर उत्साही युवकों द्वारा ही सफलता का इतिहास रचा जाता है।

(ङ) समय निरंतर परिवर्तनशील, दुख-सुख समय के साथ आते-जाते रहते हैं।

खण्ड-'ख'

3. नीचे लिखे विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए: (5)

(क) विद्या धन सब धनन में सदा रह्यो सिरमौर

(ख) नारी को बदलती भूमिकाएँ

(ग) मंगल पर बसेरे के सपने देखते हमारे वैज्ञानिक

(घ) साहित्य समाज का दर्पण

उत्तर- किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित:

- भूमिका
- विषय-वस्तु
- भाषा की शुद्धता एवं प्रस्तुति

4. देश में क्षेत्रीयतावाद के कारण उत्पन्न समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए किसी प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए। (5)

अथवा

अस्पताल में किसी रोगी के इलाज में बरती गई लापरवाही का विवरण देते हुए वरिष्ठ चिकित्साधिकारी को पत्र लिखिए।

उत्तर- पत्र-लेखन:

- आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ
- प्रभावी विषय-वस्तु
- भाषा की शुद्धता, प्रवाह एवं लेख

5. (क) नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए: (1×5=5)

(i) 'फोन इन' क्या है?

(ii) पत्रकारिता में 'बीट' शब्द का क्या अर्थ है?

(iii) सम्पादकीय में लेखक का नाम क्यों नहीं होता?

(iv) स्वतन्त्र पत्रकार किसे कहा जाता है?

(v) स्तम्भ लेखन से आप क्या समझते हैं?

(ख) 'केदारनाथ आपदा: प्रकृति का कोप' अथवा 'बढ़ती हुई सुविधाएँ और घटता हुआ स्वास्थ्य' विषय पर आलेख लिखिए। (5)

उत्तर- (i) घटना स्थल से फोन द्वारा बातचीत का सीधा प्रसारण।

(ii) 'बीट' का अर्थ है लेखन और रिपोर्टिंग का विशेष क्षेत्र यथा - अपराध, खेल, फिल्म, कृषि, अर्थ आदि अलग-अलग बीट कहलाते हैं।

(iii) संपादकीय किसी व्यक्ति विशेष का नहीं अपितु समाचार-पत्र विशेष का अपना दृष्टिकोण एवं विचार होता है।

(iv) निर्धारित मानदेय पर कार्य करने वाला पत्रकार जो एक से अधिक पत्रों से जुड़ा रहता है।

(v) किसी विषय विशेष पर विचारों की नियमित शृंखला।

(ख) किसी एक आलेख पर लेखन-

- प्रभावी विषय - वस्तु
- प्रस्तुति
- भाषा की शुद्धता

6. 'बच्चों का छिनता बचपन' अथवा 'शिक्षा का बाज़ारीकरण' विषय पर फ़ीचर का आलेख लिखिए। [5]

उत्तर- किसी एक फ़ीचर पर लेखन-

- प्रभावी विषय - वस्तु
- प्रस्तुति
- भाषा की शुद्धता

खण्ड-'ग'

7. प्रस्तुत पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (2×4=8)

जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास

पृथ्वी घूमती हुई आती है उनके बैचेन पैरों के पास

जब वे दौड़ते हैं बेसुध

छतों को भी नरम बनाते हुए

दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए

जब वे पेंग भरते हुए चले आते हैं

डाल की तरह लचीले वेग से अकसर

छतों के खतरनाक किनारों तक-

उस समय गिरने से बचाता है उन्हें

सिर्फ उनके ही रोमांचित शरीर का संगीत

पतंगों की धड़कती ऊँचाइयाँ उन्हें थाम लेती हैं

महज एक धागे के सहारे।

(क) ‘वे अपने साथ लाते हैं कपास' - ‘वे’ कौन हैं? साथ में कपास लाने से क्या तात्पर्य है?

(ख) पतंग लूटते बच्चों की तुलना डाल से क्यों की गई है?

(ग) दिशाओं को मृदंगों की तरह बजाने से कवि का क्या आशय है?

(घ) छतों के किनारों से गिरने से उन्हें कौन बचाता है और कैसे?

उत्तर- (क) ‘वे’ बच्चे हैं।

(ख)

- बच्चे कपास के समतुल्य।
- हल्के एवं लचीले।
- कोमल एवं नरम।
- हृदय से स्वच्छ एवं सरल।

(ख)

- डाल के समान लचीले नरम।
- पतंग लूटते हुए शरीर के लचीलेपन के कारण डाल से तुलना।

(ग)

- बच्चों की पदचाप से मृदंग जैसा संगीतमय स्वर।
- जिसकी ध्वनि सारी दिशाओं में गूँजती हुई प्रतीत होती है।

(घ)

- बच्चे की मदमस्त गतिविधियाँ एवं रोमांचकारी अनुभूतियाँ।
- बच्चों की बेखौफ एवं रोमांचक निश्चिन्तता।

अथवा

आँगन में लिए चाँद के टुकड़े को खड़ी

हाथों पे झुलाती है उसे गोद-भरी

रह-रह के हवा में जो लोका देती है

गूँज उठती है खिलखिलाते बच्चे की हँसी।

(क) कवि ने चाँद का टुकड़ा किसे कहा है और क्यों?

(ख) माँ के लिए कविता में किस शब्द का प्रयोग हुआ है और क्यों?

(ग) बच्चे को हँसी का कारण क्या है? उसके गूँजने से क्या तात्पर्य है?

(घ) काव्यांश के भाव को अपने शब्दों में चित्रित कीजिए।

उत्तर- (क)

- शिशु को।
- शिशु चाँद के समान कोमल शीतल एवं सुंदर।

(ख)

- गोदभरी।
- शिशु के साथ माँ की वात्सल्यपूर्ण भंगिमा।

(ग)

- माँ के स्नेह एवं वात्सल्यपूर्ण क्रिया से शिशु खिलखिलाता है।
- घर के आँगन में शिशु की किलकारी का गूँजना।

(घ)

- वात्सल्य रस की व्यंजना।
- माँ का शिशु को विभिन्न क्रियाओं के माध्यम से रिझाना।
- शिशु माँ की वात्सल्यपूर्ण क्रियाओं से प्रसन्न हो खिलखिलाने लगता है।

8. नीचे लिखे काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (2×3=6)

तिरती है समीर-सागर पर

अस्थिर सुख पर दुख की छाया-

जग के दग्ध हृदय पर

निर्दय विप्लव की प्लावित माया-

यह तेरी रण-तरी

भरी आकांक्षाओं से,

घन, भेरी-गर्जन से सजग सुप्त अंकुर।

(क) काव्यांश का भाव-सौन्दर्य लिखिए।

(ख) प्रयुक्त अलंकार का नाम लिखिए और उसका सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

(ग) काव्यांश की भाषा पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तर- (क)

- क्रांति का प्रतीक 'बादल'।
- शोषित वर्ग के लिए क्रांति का आह्वान, आशा का प्रतीक।
- बादल के माध्यम से जीवन-दर्शन का चित्रण।

(ख)

- समीर - सागर - रूपक अलंकार।
- सजग सुप्त में - अनुप्रास अलंकार।

(किसी एक प्रयुक्त अलंकार का सौंदर्य स्पष्टीकरण)

(ग)

- भाषा संस्कृतनिष्ठ शब्दावली होते हुए भी सरल एवं सरस।
- प्रभावोत्पादक, प्रवाहमयी भाषा शैली।
- प्रतीकात्मकता का सुंदर चित्रण।

अथवा

सचमुच मुझे दंड दो कि हो जाऊँ

पाताली अँधेरे की गुहाओं में विवरों में

धुएँ के बादलों में

बिलकुल मैं लापता

लापता कि वहाँ भी तो तुम्हारा ही सहारा है।

(क) काव्यांश का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) काव्यांश में प्रयुक्त किन्हीं दो प्रतीकों का प्रयोग सौंदर्य समझाइए।

(ग) काव्यांश के भाषा-वैशिष्ट्य पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तर- (क)

- जीवन की प्रत्येक उपलब्धि में प्रिय की छाप।
- निश्छल प्रेम की अनुभूतियाँ।
- अपराध बोध मानसिकता का चित्रण।

(ख)

- 'पाताली अँधेरे' और 'धुएँ' के विवर।
- अपराध बोध की भावना का दोनों प्रतीकों के माध्यम से चित्रण।

(ग)

- खड़ी बोली हिंदी के साथ तत्सम प्रधान शब्दावली
- व्यंजना शब्द शक्ति का सुंदर प्रयोग।
- प्रयोगवादी काव्य शैली का अनूठा उदाहरण।

9. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए: (3×2=6)

(क) 'शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ' इस कथन से कवि का क्या आशय है?

(ख) किसी रचना में भाव की प्रधानता महत्त्वपूर्ण है या भाषा की? 'बात सीधी थी पर' कविता के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ग) 'उषा' कविता गाँव की सुबह का गतिशील शब्द-चित्र है-सोदाहरण प्रतिपादित कीजिए।

उत्तर- (क) कवि की उदासीनता, अनुत्साह, एकाकी परिवेश में अपनेपन का अभाव आदि।

(ख)

- व्यावसायिक प्रवृत्ति।
- भावना के स्थान पर धन की प्रधानता।

(ग)

- कवि भविष्य की संभावनाओं से भयभीत है।
- प्रेम भाव की अतिशयता के कारण।

10. नीचे लिखे गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (2×4=8)

कभी-कभी कैसे-कैसे संदर्भों में ये बातें मन को कचोट जाती हैं, हम आज देश के लिए करते क्या हैं? माँगें हर क्षेत्र में बड़ी-बड़ी हैं पर त्याग का कहीं नाम-निशान नहीं है। अपना स्वार्थ आज एकमात्र लक्ष्य रह गया है। हम चटखारे लेकर इसके या उसके भ्रष्टाचार की बातें करते हैं पर क्या कभी हमने जाँचा है कि अपने स्तर पर अपने दायरे में हम उसी भ्रष्टाचार के अंग तो नहीं बन रहे हैं? काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं, पानी झमाझम बरसता है, पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है, बैल पियासे के पियासे रह जाते हैं? आखिर कब बदलेगी यह स्थिति?

(क) लेखक के मन को क्या बातें कचोटती हैं और क्यों?

(ख) गगरी तथा बैल के उल्लेख से लेखक क्या कहना चाहता है?

(ग) भ्रष्टाचार की चर्चा करते समय क्या आवश्यक है और क्यों?

(घ) 'आखिर कब बदलेगी यह स्थिति?'-आपके विचार से यह स्थिति कब और कैसे बदल सकती है?

उत्तर- (क) कर्तव्यबोध का अभाव, केवल अधिकारों के प्रति सजगता, स्वार्थ सिद्धि की प्रमुखता के कारण।

(ख) कल्याणकारी सरकारी योजनाएँ एवं सहायताएँ, सुपात्रों को उनका लाभ न मिलना, व्यवस्था पक्ष तथा सामान्य लोग।

(ग) स्वयं के बारे में चिंतन क्योंकि शुरूआत व्यक्ति विशेष से ही होती है।

(घ) माँग और पूर्ति, कर्तव्य और अधिकार बोध के प्रति सजगता।

अथवा

एक बार झाँक कर उसने पुड़िया को देखा और उसे ऐसा महसूस हुआ मानो उसने अपने किसी प्यारे को कब्र की गहराई में उतार दिया हो। कुछ देर उकड़ूँ बैठी वह पुड़िया को तकती रही और उन कहानियों को याद करती रही जिन्हें वह अपने बचपन में अम्मा से सुना करती थी, जिनमें शहज़ादा अपनी रान चीरकर हीरा छिपा लेता था और देवों, खौफ़नाक भूतों तथा राक्षसों के सामने से होता हुआ सरहदों से गुज़र जाता था। इस जमाने में ऐसी कोई तरकीब नहीं हो सकती थी वरना वह अपना दिल चीरकर उसमें यह नमक छिपा लेती। उसने एक आह भरी।

(क) लेखिका बार-बार पुड़िया को झाँक कर क्यों देखती है?

(ख) अपने किसी प्यारे को कब्र की गहराइयों में उतार देने से लेखिका का क्या आशय है?

(ग) नमक लेखिका की परेशानी का कारण कैसे बन गया?

(घ) 'उसने एक आह भरी'-कथन के आधार पर लेखिका की मानसिक दशा पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तर- (क) भय की आशंका, कहीं नमक की पुड़िया दिखाई न दे जाय।

(ख) नमक की पुड़िया का आन-बान से जुड़ना, बहुत प्यारा होना।

(ग) नमक ले जाने पर पाबंदी, ले जाना जरूरी, सरकारी रोक एवं वचनबद्धता।

(घ) दादी-नानी की कहानियों में राजकुमार का रान चीर कर हीरा छिपा लेना, स्थिति में समानता के कारण।

11. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (3×4=12)

(क) शिरीष की तुलना किससे और क्यों की गई है?

(ख) खाली मन तथा भरी जेब से लेखक का क्या आशय है? ये बातें बाज़ार को कैसे प्रभावित करती हैं?

(ग) भक्तिन के स्वभाव की ऐसी दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए जिनके कारण उसने लेखिका को अपने अनुसार ढाल लिया।

(घ) चार्ली चैप्लिन का भारतीयकरण किन-किन रूपों में पाया जाता है? पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ङ) जाति प्रथा को श्रम विभाजन का आधार क्यों नहीं माना जा सकता? पाठ से उदाहरण देकर समझाइए।

उत्तर- (क)

- अवधूत, कबीर, कालिदास और गांधी जी से।
- अवधूत - सुख - दुख से हार नहीं मानता।
- कबीर शिरीष जैसे मस्त बेपरवाह सरस और मादक।
- कालिदास - अनासक्त फक्कड़।
- गांधी विषम परिस्थितियों में भी जीवन-रस को प्राप्त करते रहे।

(ख)

- खाली मन - मन का भटकाव, चीज़ें होते हुए भी कुछ खरीद लेने की इच्छा, मन की अस्थिरता।
- भरी जेब - खूब पैसा होना, पर्चेजिंग पावर का होना, बाज़ार खाली मन को अपने जादू से जगाता है।
- पर्चेजिंग पावर की ओर उन्मुख करता है।

(ग)

- देहाती खाना-पीना (मकई, दलिया, मट्ठा, ज्वार के भुने सफेद दानों की खिचड़ी आदि) बनाना जानती थी।
- खाने की रुचि न होते हुए भी लेखिका को खाना पड़ता था।
- लेखिका को अपने बोलचाल, खान-पान के अनुरूप ढाल लिया लेकिन खुद को नहीं ढाल पाई।

(घ)

- राजकपूर, दिलीप कुमार, गांधी जी आदि रूपों में ।
- उपर्युक्त सभी अपने आप पर हँस सकते थे।

(ङ)

- अस्वाभाविक विभाजन।
- मानव अभिरुचि के विपरीत।
- मानव कार्य क्षमता की उपेक्षा।
- जाति प्रथा में पेशे की बाध्यता।
- बेरोज़गारी एवं भुखमरी।

12. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए: 2×2=4

(क) 'जूझ' के लेखक में स्वयं कविता रच सकने का आत्मविश्वास कैसे पैदा हुआ?

(ख) महाकुण्ड में अशुद्ध जल को रोकने की क्या व्यवस्था थी? 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ग) कार्यालय में अपने सहकर्मियों के साथ सेक्शन ऑफ़ीसर वाई.डी. पंत के व्यवहार पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तर- (क) मराठी अध्यापक सौंदलगेकर जी के प्रोत्साहन, उत्साहवर्धन के कारण।

(ख)

- महाकुण्ड के तल में पक्की ईंटों का जमाव।
- ईंटों की चिनाई।
- नाली द्वारा दूषित जल की निकासी की व्यस्था।

(ग)

- सिद्धांतवादी।
- कार्यालय में निर्धारित समय तक बैठना। (समय के पाबंद)
- अनुशासनप्रिय, अधीनस्थों के साथ रूखा व्यवहार।
- वरिष्ठों का अनुकरण।

13. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए: (3×2=6)

(क) वाई.डी. पन्त की पत्नी पति की अपेक्षा सन्तान की ओर क्यों पक्षपाती दिखलाई पड़ती है?

(ख) दत्ताराव ने लेखक की पढ़ाई की समस्या का समाधान किस प्रकार किया?

(ग) ऐन फ्रेंक की डायरी के आधार पर नाज़ियों के अत्याचारों पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तर- (क)

- पति-पत्नी में वैचारिक भिन्नता।
- पति सैद्धांतिक, पुरातनपंथी, पत्नी आधुनिकता की पक्षधर।
- पति सीधे सरल परम्परावादी जबकि पत्नी युवा संतति की हर सोच एवं व्यवहार की प्रशंसक।
- पति स्वभाव से किंचित जिद्दी किन्तु पत्नी स्वभाव से लचीली।

(ख)

- लेखक के पिता को खरी-खोटी सुनाई, धमकाया और बेटे को स्कूल भेजने के लिए कहा।
- लेखक के पिता ने जो शर्तें रखी थीं; उन्हें भी मान लिया।

(ग)

- नाजियों द्वारा दी गई अकल्पनीय यातनाएँ।
- शारीरिक और मानसिक यंत्रणा।
- भूख, गरीबी और बीमारी की मार।
- गैस चैम्बरों और फायरिंग स्क्वायड के जुल्म।
- लड़कियों के साथ दुर्व्यवहार।

14. सौंदलगेकर के व्यक्तित्व के आधार पर किसी अध्यापक के लिए आवश्यक जीवन-मूल्यों पर प्रकाश डालिए। (5)

उत्तर- समझदार, धैर्यवान, चरित्रवान, योग्य, प्रभावशाली व्यक्तित्व, प्रतिभान्वेषी, मददगार, छात्र मनोविज्ञान का ज्ञाता।

अथवा

'सिलवर वेडिंग' कहानी के पात्र किशन दा के उन जीवन-मूल्यों की चर्चा कीजिए जो यशोधर बाबू की सोच में आजीवन बने रहे।

उत्तर-

- सिद्धांतवादी, समय की पाबंदी, अनुशासनप्रिय, सीधे एवं सरल जीवन का अनुगमन करना।
- पारम्परिक मूल्यों को अपनाना।
- प्रातः भ्रमण करना।
- सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में अभिरुचि रखना।

(कोई पाँच बिंदु स्वीकार्य)